In one or two days, it will be cleared and we are going to place the Report and the Action Plan on the Table of the House. What it contains can be looked into afterwards. We should not really go by what is appearing in the media.

श्री सुरेश पचौरी: अगर ये इनको सुनना चाहें तो बैठक कर लें। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Government also knows when to lay the Report on the Table of the House ...*(interruptions)*...

SHRI YASHWANT SINHA: Six months are going to be over on the 9th of September. Will they lay the Report on the Table of the House before the 9th of September, when the six-month period is going to expire?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: That is exactly what we are ...*(interruptions)*... That is acceptable.

श्री रुद्रनारायण पाणि: सर, मेरा उड़ीसा के बारे में एक नोटिस था ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: देखिए, आपके नोटिस को चेयरमैन साहब कंसिडर कर रहे हैं। वह अभी नहीं आया है। ...(व्यवधान)... Mr. Pany, you should know that there is no Zero Hour, जीरो आवर नहीं है, आपने चेयरमैन साहब से रिक्वेस्ट करके नोटिस दिया है। वह चेयरमैन साहब के कंसिड्रेशन में है, जब वे आपको ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: मुझे शून्य काल में मौका मिलेगा। ...(व्यवधान)... महोदय,

श्री उपसभापति: पाणि साहब आप बैठिए। ...(व्यवधान)... देखिए, Mr. Pany, we will look into it. Your notice is under consideration ...*(interruptions)*... आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

SHRI RUDRA NARAYAN PANY: Orissa is a poor State.

श्री उपसभापति: डेफिनेटली, मैं आपको कह रहा हूं कि that it is under consideration of hon. Chairman.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Law And Order Situation In Chhattisgarh

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ): महोदय, कानून और व्यवस्था की स्थिति छत्तीसगढ़ में किस प्रकार से खराब होती जा रही है कि वहां के महाप्रबंधक श्री आर० एस० अग्रवाल की उनके घर पर जाकर चार बदमाशों ने हत्या की है। इस हत्या के कारण क्षेत्र में भयंकर असंतोष है, भय का वातावरण व्याप्त है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि छत्तीसगढ़ की कानून और

व्यवस्था की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी ले लें क्योंकि भिलाई का इस्पात कारखाना भारत सोवियत मैत्री का एक आधार स्तम्भ रहा है। मैं आपके माध्यम से इस दर्दनाक घटना की ओर आपका ध्यान आकर्षित कर रहा हूं।

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Grave situation due to unprecedented rain in Maharashtra—contd.

श्री उपसभापति: श्री मंगनी लाल मंडल। यह मुम्बई का विषय है, आप संक्षेप में बोलिए।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): महोदय, कल मुम्बई में, महाराष्ट्र में, मूसलाधार वर्षा होने के कारण जो भीषण बाढ़ आई थी, ...(**व्यवधान**)... आई थी, अब तो बाढ़ कम हो गई है, मूसलाधार बारिश न होने के कारण कल चर्चा हुई और श्री प्रमोद महाजन जी ने सारी बातों का विस्तार से उल्लेख किया था। यद्यपि उन्होंने कहा कि इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र सरकार की तारीफ की, माननीय प्रधानमंत्री जी की तारीफ की और मुख्य मंत्री जी के बारे में उन्होंने दूसरा इशारा किया, यूं ऐसा कहकर राजनीति तो उन्होंने की है। महोदय, उन्होंने मौसम विभाग के बारे में भी चर्चा की कि मौसम विभाग की जो भविष्यवाणी होती है, वह तथ्य परक नहीं है, मैं उनसे सहमत हूं। आज समाचारपत्रों में मौसम विभाग के हवाले से जो खबरें छपी हैं समाचार छपा है, उनमें कहा गया है कि वर्षा अप्रत्याशित थी, और ऐसा कभी सोचा नहीं गया था। महोदय, स्पेस के बारे में, सैटेलाइट के मामले में हमने बड़ी छलांग लगाई है। हम ढिंढोरा पीटते हैं कि हम जो उपग्रह छोड़ रहे हैं, उससे मौसम की सही-सही जानकारी देशवासियों को देंगे। लेकिन मुम्बई में अप्रत्याशित वर्षा हुई, मौसम विभाग ने सही भविष्यवाणी नहीं की, इस सरकार से मेरी अपेक्षा है कि जब सरकार की ओर से जवाब होगा तब मौसम विभाग के बारे में, यह जो इतना बड़ा देश है, इस देश में जो मौसम परिवर्तन होता रहता है, किसी भाग में वर्षा होती है, किसी भाग में सूखा रहता है, इस बारे में मौसम विभाग सही-सही आकलन करे। महोदय, महाराष्ट्र के पैंतीस जिलों के लगभग सभी भागों में वर्षा के कारण बाढ़ आई है। सरकार द्वारा कल जो उत्तर यहां दिया गया है, उसमें मुख्य रूप से मुम्बई का दिया गया है। यह ठीक है कि मुम्बई के बारे में कहा जाता है कि यह हमारी आर्थिक राजधानी है, मुम्बई की बर्बादी से सारा देश आहत हुआ है। मुम्बई, जो बाढ़ और वर्षा की चपेट में इस प्रकार आ गया, इससे जो बर्बादी हुई है, संचार व्यवस्था ध्वस्त हो गई, आवागमन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई, कई दिनों तक पांच, सात और आठ फीट तक पानी रहा, लोग उसमें रहने के लिए विवश हुए, जान-माल की जो अपार क्षति हुई है, उससे सारा देश स्तब्ध है और सभी के मन में पीड़ा है, कारुणिक दृश्य है। सत्रह, पैंतीस जिलों के बारे में उल्लेख है कि सत्रह जिलों में मूसलाधार वर्षा